भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
राज्य सभा
लिखित प्रश्न संख्या : **161**
दिनांक 3 फरवरी , 2021 / 14 माघ,1942 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

छोटे-छोटे शहरों से वायु सेवाएं

161. श्री राम नाथ ठाकुर:

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने उड़ान योजना के अंतर्गत छोटे-छोटे शहरों से वायु सेवाएं प्रदान करने का निर्णय लिया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या बिहार के समस्तिपुर को इस योजना में शामिल किया गया है यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है।

(घ) यदि नहीं, तो क्या सरकार का उक्त योजना के अंतर्गत समस्तिपुर को शामिल करने का विचार है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री हरदीप सिंह पुरी)

(क) और (ख): नागर विमानन मंत्रालय ने देश-भर में असेवित और अल्प सेवित हवाईअड्डों से क्षेत्रीय हवाई सम्पर्क को बढ़ावा देने और हवाई यात्रा को आम जनता के लिए किफायती बनाने के लिए दिनांक 21-10-2016 को क्षेत्रीय सम्पर्क योजना 'उड़ान' (उड़े देश का आम नागरिक) योजना आरंभ की है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई), कार्यान्वयन एजेंसी द्वारा 'उड़ान' के अंतर्गत बोली प्रक्रिया के चार दौर पूरे किए जा चुके हैं और 'उड़ान' 4.0 के प्रथम चरण तक 766 वैध आरसीएस मार्ग चिह्नित किए गए हैं, जिनमें आरसीएस उड़ानों के प्रचालन के लिए 12 एयरोड्रोमों और 33 हेलीपेडों सहित 110 आरसीएस हवाईअड्डे शामिल हैं। दिनांक 27-01-2021 की स्थिति के अनुसार, 47 आरसीएस हवाईअड्डों, 2 वॉटर एयरोड्रोमों और 5 हेलीपेडों को जोड़ते हुए 311 आरसीएस मार्ग पहले ही आरंभ हो चुके हैं।

(ग) और (घ): समस्तीपुर, योजना दस्तावेज के असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों की अनंतिम सूची में शामिल नहीं है। तथापि, संबंधित राज्य सरकार/संघ शासित प्रदेश प्रशासन की ओर से सूचना प्राप्त होने पर इसे 'उड़ान'

योजना दस्तावेज की अनंतिम सूची में शामिल किया जा सकता है। उड़ान एक बाजार संचालित योजना है। इच्छुक एयरलाइनें किसी मार्ग विशेष पर मांग के अपने आकलन के आधार पर,आर.सी.ए.एस. समय समय पर 'उड़ान' के अंतर्गत बोली प्रक्रिया के समय अपने प्रस्ताव प्रस्तुत करती हैं।